TEACHER'S HANDBOOK

हिंदी व्याकरण–3

उत्तर पुस्तिका

FRANKLIN

सृष्टि हिन्दी व्याकरण-3

PART - 3

Ch-1 (भाषा , बोली और व्याकरण)

क- भाषा के दो रूप है - मौखिक एवं लिखित।
ख- लिखने-पढ़ने के लिए जिन चिन्हों का प्रयोग किया जाता है उन्हें लिपि कहते है।
ग- पत्र लिखना भाषा का लिखित रूप है।

1. क- रोमन ख- तमिल
2. क- मौखिक ख-14 सितम्बर ग- सांकेतिक घ- हिंदी
3. क- बंगाली ख-डोगरी ग- पंजाबी घ-मलयालम
4. क-गलत ख- सही ग- गलत
5. क-गुजरती ख-लिखित ग- बंगाली घ- हिंदी दिवस ड- असमिया
6. क-लाल- रुकना ख-पीला- चलने के लिए तैयार होना ग- हरा- चलना

Ch-2 (वर्णमाला और मात्राएँ)

क- वर्णो के निश्चित समूह को वर्णमाला कहते है।
ख- वर्णमाला में 11 स्वर होते है।
ग- "ऋ" की मात्रा।
घ- भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते है।

1. क-11 ख- ल ग- हि घ- (ृ)
2. क-वर्ण ख-चार ग- वर्णमाला घ- स्वरों ड- ग्यारह
3. अनुस्वार- अंगूर, मंदिर, चंचल, कंघा, पंप, चन्दन, मंद, कंठ, पंद्रह, गंगा, मंच, कंगन, पंख
   अनुनासिक- चाँद, पांच, आंख, कुआँ, जाँच, साँप
4. क-ी ख-ी ग- ु घ- ृ
5. क- मृग, नृप ख- पंख, हंस, रंग, तंग, जंग ग- पकड़, अकड़

Ch-3 (शब्द और वाक्य)

क- वर्णो के सार्थक मेल से शब्द बनता है।
ख- दो या दो से अधिक वर्णो को मिलकर शब्द बनते है।
ग- सार्थक शब्द समूहों के मेल से वाक्य बनता है।
घ- उदेश्य और विधेय वाक्य के भाग/अंग है।

1. क- हिरन ख-ऐनक ग- बन्दर घ- गुड़िया
   ड- रुपया च- बकरी
2. क- सार्थक, वाक्य ख-निरर्थक ग-उदेश्य घ- नहीं
3. क-रविवार के दिन छुट्टी होती है। ख- मैं विद्यालय रोज़ जाता हूँ।
   ग- हमें सदा सच बोलना चाहिए। घ- मेरा रंग साँवला है। +
4. क- मेरी माँ मुझे सुन्दर कपड़े दिलाती है।
   ख- मैं छुट्टियों में अपनी नानी के घर जाता हूँ।
   ग- हमें फल खाने चाहिए। घ- मेरा बस्ता मुझे अति प्रिय है।
5. Do it yourself. 6- Do it yourself.

Ch-4 (संज्ञा)

क- संज्ञा शब्द प्रत्येक वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव आदि के लिए प्रयोग होता है।
ख- मित्रता, बुढ़ापा, हंसना, रोना ।
ग- पुलिस, सैनिक, नदियाँ।
घ-भाववाचक संज्ञा।

1. क- आगरा ख-चिड़ियाँ ग- साईकिल घ- हरियाली ड- घड़ी
2 व्यक्तिवाचक संज्ञा- लालकिला जातिवाचक संज्ञा- बिल्ली, अध्यापक,बच्चे भाववाचक संज्ञा- सर्दी, गर्मी, मित्रता, जवानी
3. Do it yourself. 4- Do it yourself.
5. क- पुस्तक ख- तोता ग- जोकर

Ch-5 (लिंग)

क- वे शब्द जो पुरुष एवं स्त्री जाति का बोध कराए उन्हें लिंग कहते है।
ख- लिंग दो प्रकार के होते है- पुल्लिंग और स्त्रीलिंग ।
ग- शेरनी,बकरी

1. क- लड़का गीत गा रहा है। ख- धोबी कपड़े धो रहा है। ग- चुहिया बिल में है। घ- दादीजी पार्क में घूम रही है। ड- मोरनी नाच दिखा रही है।
2 स्त्रीलिंग - श्रीमती, बंदरिया, हथिनी, मालिन
पुल्लिंग - राजा, पंडित, घोड़ा , सेठ
3 मंगल ग्रह, सोना, एवरेस्ट, हिमालय, मानसरोवर, मंगलवार, मार्च
4 क- लड़की ख- गाय ग- मोरनी घ- धोबिन 5- Do it yourself.
6. बकरा, मालिन भाभी, मामा

Ch-6 (वचन)

क- संख्या का बोध करवाने वाले शब्द वचन कहलाते है।
ख- एकवचन- बहुवचन वचन के दो भेद है।
ग- "आंसू" बहुवचन का शब्द है।
घ- एकवचन में एक का और बहुवचन में अनेक का बोध होता है।

1. क- सही ख- गलत ग- सही घ- गलत ड- सही
2. क- सब्ज़ियां ख- कपड़ें ग-संस्कृतियों घ- गेंद
ड- मछलियां च-कहानी
3. एकवचन- रुमाल, कलम, घड़ी, गिलास,स्त्री, रुपया, मेज़
बहुवचन- पुस्तकें, कमीज़ें, पेन्सिलें,सड़कें, पंखें, कुर्सियां,कपड़ें, लड़कियां
4 गुड़ियाँ, लताएं, मिठाइयाँ
5 क- ि ख- े ग- ी घ- े ड- े च- े
6. Do it yourself.

Ch-7 (सर्वनाम)

क- भाषा को रुचिकर और प्रभावपूर्ण बनाने के लिए संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग करते है।
ख- "कौन","कोई" सर्वनाम शब्द अन्य के लिए प्रयोग होते है।
ग- "मैं, मुझे,मेरा" सर्वनाम शब्द अपने विषय में बात करते समय प्रयोग किये जाते है।

1. क- कहाँ ख-कौन ग-वे 2- क- वे ख- कौन ग- मैं

3. क- तुम कहाँ से आये हो? ख-वह मेरा भाई है।
ग-आप समय के बहुत पाबंद है।
4. क- तुम ख- वे ग- हम घ- किसे, कोई
5. किसी भी कहने में सर्वनाम शब्दों का प्रयोग इसलिए किया जाता है ताकि कहानी प्रभावपूर्ण, सहज, रुचिकर और तारतम्यता में बनी रहे।
6. तुम, कौन, वह, आप, हम

Ch-8 (विशेषण)

क- ऐसे शब्द जो संज्ञा एवं सर्वनाम शब्दों की विशिष्ट बताये विशेषण कहलाते हैं।

ख-विशेषण शब्द की पहचान गुण, अवस्था, आकार- प्रकार, रंग, मंडप-तोल, स्वाद के आधार पर की जाती है।

ग-विशेषण शब्द की विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते है।

1. क- ये सभी ख- विशेषण ग- एक मीटर घ- बहुत
2. लम्बा पेड़, हरा पत्ता, ऊँचा पर्वत, वीर सैनिक, कड़वा करेला, दो मीटर कपड़ा
3. चौड़ी सड़क , दस नींबू, गोल रोटी, समझदार लड़का , काम दूध , ईमानदार व्यक्ति
4. क- मैं एक सुंदर लड़की हूँ। ख- मैं साहसी और परिश्रमी हूँ।
ग-मुझे लाल रंग बहुत पसंद है। घ- मैं एक धावक भी हूँ।

Ch-9 (क्रिया एंव काल)

क- काम के होने या करने को क्रिया कहते है।

ख- क्रिया भूतकाल, वर्तमानकाल, भविष्यकाल में की जाती है।

ग- मैं पढ़ रहा हूँ। वह खेलने जायेगा।

1. क- तोता डाल पर बैठा है। ख- बच्चें आपस में बात कर रहे है।
ग- लड़का सोकर उठ गया है। घ- महिला नृत्य कर रही है।
2. क- जाता ख- आये ग- है घ- पढ़ ड-बात
3. बात करना, खेलना, पाठ सुंनना, पाठ याद करना, गतिविधियां करना
4. क- दूसरो की सहायता करके मुझे ख़ुशी मिलती है।
ख- चित्रकारी करके मुझे ख़ुशी मिलती है।
ग- गाने सुनकर मुझे ख़ुशी का अनुभव होता है।
घ- दोस्तों के साथ खेलकर मुझे ख़ुशी मिलती है।
ड- माता-पिता के साथ घूमने जाने पर मुझे ख़ुशी मिलती है।
5. क- बच्चे पार्क में जाकर कूदना चाहते है। ख- मुझे फूलों को सूँघना पसंद है।
ग- बच्चों! झूलों पर उछलना नहीं चाहिए।
घ- तैरना भी एक प्रकार का व्यायाम है। ड- वह मछलियां पकड़ना चाहता है।

Ch-10 (पर्यायवाची शब्द)

क- पर्यायवाची शब्द।

ख- नदी- (सरिता, तटनी) घर-(मकान, सदन)

1. पुष्प, वृक्ष, गिरी, दृग
2. क- आकाश ख- पंकज ग- पानी घ- सखा
3 क- तटनी, सरिता ख- मकान, सदन ग- मेघ, जलधर
घ- अम्मा, जननी ड- सूप, भुजंग

4. क- पंकज, जलज ख- अनल, पावक
5. Do it yourself.

Ch-11 (विलोम शब्द)

क- हां ख- जीत, पतला, कुरूप
1. निरादर, तेज़, बूढ़ा, कठोर, भोला, भरी, अधरम, जल, आदान, कम
2. हल्का, कड़वा, रात
3. जीत, रात, सच, अधिक
4. बड़ा, झूठा, बहार, सूखा, दुःख
5 Do it yourself.
6. हंसना-रोना , बहार-अंदर, दिन-रात

Ch-12 (अनेक शब्दों के लिए एक शब्द)

1. क- काम शब्दों में अपनी बात को कहना या वाक्यांश के अर्थ को बताना एक शब्दों के लिए एक शब्द कहलाता है।
ख- कम शब्दों में अपनी बात को प्रभावशाली बनाने से भाषा सरल और सुंदर हो जाती है।
ग- एक शब्द का प्रयोग भाषा को प्रभावपूर्ण बनाने के लिए किया जाता है।
2. क- पाठशाला ख- आलसी ग-वार्षिक घ- मृदभाषी ड- मिस्त्री च- ग्रामीण छ- सत्यवादी ज- पुस्तकालय
3. क- डॉक्टर ख- शहरी ग- शिक्षिका घ- दैनिक ड- पहाड़ी
4. क-दर्ज़ी ख- बढ़ाई ग- मदारी
5. क-बुनकर ख- लुहार ग- बढ़ाई

Ch-13 (मुहावरे)

क- मुहावरा कहलाता है।
ख- मुहावरा।
ग- विशेष कथन का प्रयोग बात को प्रभावपूर्ण, रोचक, मज़ेदार, असरदार बनाने के लिए किया जाता है।
1. क-बहुत शोर मचाना ख- हराना
ग- बहुत प्यारा
घ- डर जाना ड- दखल देना
2. क- आँख का तारा ख- कानो का कच्चा ग- दांत खट्टे करना
घ- हाथ मलना
3. क-मुँह फेर लिया ख- ईद का चाँद ग- पीठ थपथपाई
घ- नौ दो ग्यारह हो गया
4. क- अपने भाई को ओलम्पिक खेलों में प्रदर्शन करता देख मैं फूला नहीं समा रहा हूँ ।
ख- दूधवाला पानी में दूध मिलकर दिन-रात सबको उल्लू बना रहा है ।
ग- रमा के पिताजी कुछ ही दिनों में रमा के हाथ पीले करने वाले है।
घ- सुरेश आजकल तुम दिखाई ही नहीं देते यार! तुम तो सच में ईद के चाँद हो गए हो।
ड- दोनों भाइयों के बढ़ते झगड़ों के कारण दोनों अपनी-अपनी खिचड़ी अलग पकाते है।
5. क- तैयार होना ख- गुस्सा करना ग- डर जाना
घ- कोशिश करना ड- तैज़ दौड़ना
6. क- पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया ।
ख- रमेश दिन-रात अपने से बड़ो को मरता-पीटता है लगता है उसकी आँख का पानी ही खत्म हो गया है।

ग- मैंने उससे किताब मांगी तो उसने मुझे अंगूठा दिखा दिया।
घ- रमेश फुटबॉल के खेल में गोल पर गोल करता रहा और सोनू हाथ मलता ही रह गया।

7. एक बार कछुआ और खरगोश में दौड़ लगी। खरगोश ने सोचा कि उसमें तो हवा से बातें करने की प्रतिभा है इसलिए जब तक कछुआ चींटी की चल से आएगा तब तक आंखें मुंड लेता हूँ। कछुआ एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाकर दौड़ जीत गया और खरगोश हाथ मलता रह गया।

Ch-14 (अशुद्धि-शोधन)

क- धुआँ। ख- दो गिलास ठंडे शरबत लाओ।

1. क- जुलुस ख- हृदय ग- गुलाब घ- स्कूल ड- होशियार
2. क- गृहकार्य ख- विद्यार्थी ग- नमस्ते घ- बाजार ड- आशीर्वाद च- बीमारी
3. क- ज़वाब ख- राष्ट्र ग- श्रीमती घ- रुपया ड- आविष्कार
4. आज हमारे स्कूल की छुट्टी रही। माँ ने मुझको दूध लाने को भेजा। वापिस आते समय दूध का बर्तन गिर गया और सारा दूध फैल गया।
5. Do it yourself.

Ch-15 (विराम चिह्न)

क- भाषा के लिखित रूप में विशेष स्थान पर रुकना विराम-चिन्ह कहलाता है।
ख- वाक्य की समाप्ति के लिए विराम चिन्ह का प्रयोग किया जाता

1. क- , ख- ? ग- ! घ- ।
2. क- अल्पविराम ख- विस्मयसूचक ग- प्रशनवाचक घ- पूर्णविराम
3. क- । ख- ! ग- , घ- ?
4 है। देखा। दौड़ा। गया। दिए। मांगी। बचाई।
5. क- । ख- ! ग- ?

Ch-16 (संवाद लेखन)

सेवक:- अरे मालिक! यह आप क्या कर रही हो?
दादाजी:- कुछ नहीं सेवक, तुम बाजार सब्ज़ी लाने गए थे तो मैंने सोचा क्यों न तुम्हारे आने तक पौधों को सिंचाई ही कर डालू।
रमन:- दादाजी मगर यह तो सेवक अंकल का काम है ना! तो फिर आप क्यों कर रहे हो?
दादाजी:- बीटा कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता, और फिर दूसरों की मदद करने में जो सुख और आनंद मिलता है वो और किस बात में कहा?
रमन;- फिर तो मैं भी सभी मदद किया करूंगा।
दादाजी:- शाबाश बेटा!
सेवक;- आपने तो रमन और मेरा मन खुशी से भर दिया मालिक।

Ch-17 (पत्र लेखन)

क- अपने विचारों, भावो, सुझावों को जब हम लिखित रूप में पत्र के माध्यम से प्रकट करते है तो वह पत्र लेखन कहलाता है।
ख- मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से पत्र लेखन सरल बन गया है।
ग- पत्र दो तरह के होते है।
क-

गुलिस्तां छात्रावास लखनऊ,
दिनांक: 5-01-2023
पूज्य पिताजी,
सादर चरण स्पर्श
मैं यहां कुशल से हूं और आपकी कुशलता की कामना करता हूं। जैसा कि

आपको पता ही है कि पिछले महीने मेरी वार्षिक परीक्षा समाप्त हुई है और आपको उसके परिणाम का उत्सुकता पूर्वक इंतजार होगा। यह पत्र मैंने आपको यही बताने के लिए लिखा है कि मेरा परीक्षा परिणाम घोषित हो चुका है और सबसे खुशी की बात यह है कि इस बार मैं कक्षा में प्रथम आया हूं। आपके दिशा-निर्देश में की गई मेरी मेहनत रंग लाई और मुझे यह मुकाम हासिल हुआ। माताजी को मेरे प्रथम आने की सूचना अवश्य दीजियेगा। उन्हें मेरा प्रणाम कहिएगा। यह सफलता मैंने आप दोनों के आशीर्वाद और प्यार से ही प्राप्त की है। छोटे भाई बहनों को ढेर सारा प्यार।
आपका पुत्र
रोहित
ख-
17 अप्रैल .....
सेवा में,
प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या जी
आदर्श उच्च विद्यालय
पालम, दिल्ली 110077
विषय : विद्यालय छोड़ने का प्रमाण – पत्र देने के लिए प्रार्थना पत्र।

आदरणीय महोदय / महोदया,
सविनय निवेदन यह है की मैं आपके विद्यालय के कक्षा 7 का छात्र हूँ। मेरे पिता एक सरकारी कर्मचारी हैं और उन्हें पालम से नजफगढ़ स्थानांतरित कर दिया गया है। जिसकी वजह से मुझे नजफगढ़ से पालम आने में बहूत कठिनाई होती है। इसलिए मै वही किसी स्कूल में प्रवेश लेना चाहता हूँ।
अतः आपसे अनुरोध करता हूँ की मुझे विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र देने की कृपा करें, ताकि मेरा प्रवेश नजफगढ़ के किसी विद्यालय में हो सके। आपकी इस कृपा के लिए मै सदा आपका आभारी रहूँगा।
धन्यवाद!
आपकी आज्ञाकारी छात्र / छात्रा
पंकज सोनी
ग-
लखनऊ,
दिनांक: 5-01-2023
प्रिय दादाजी,
आप कैसे हैं? आशा हैं आपकी तबीयत ठीक होगी और घर में सब कुशल - मंगल होगे। आपका यह आज का दिन बहुत ही खास है और जैसे ही मुझे पता चला मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा और मैं पत्र लिखने बैठ गया। जन्मदिन की ढेर सारी बधाइयाँ दादाजी। मैं भगवान से आपकी लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं। आप हमेशा खुश रहे और पहले हमेशा स्वस्थ रहे।
आपका पुत्र
रोहित+

2. Do it yourself. 3- Do it yourself. 4- Do it yourself.

Ch-18 चित्र वर्णन– Do it yourself.
Ch-19 कहानी लेखन– Do it yourself.
Ch-20 अनुच्छेद लेखन– Do it yourself.

Ch-21 (अपठित गद्यांश)

1. क- पेड़ों का महत्व।
   ख- भूमि का कटाव रुकने पर नदियां सुंदर रूप में बहती है।
   ग-जड़ी-बूटियां पेड़ों से प्राप्त होती है और इलाज के काम आती है।
2. क-फूलों को सुहान तोड़ रहा था ।
   ख- अहाना ने सुहान को फूल तोड़ने से मना किया।
   ग-माली ने समझाया कि फूलों को तोडना नहीं चाहिए क्यूंकि इन्ही से जीवन सभव है।

Ch-22 (गिनती)

1. क- 39 ख- 45 ग- 49
2. क- 24 ख- 11 ग- 12 घ- 7
3. Do it yourself. 4- Do it yourself.

(अभ्यास प्रश्न पत्र-1)

1. क- हिंदी ख- एकवचन, बहुवचन ग- रोमन घ- गायिका
   ड- वर्णमाला
2. क- सूरज, खरगोश ख- कछुआ, पैन ग- आकाश, हरियाली
3. पखा, हंस, चाँद, जगल, बदर, आँख
4. क- सड़क ख- फल ग- माली, पौधों घ- लड़की, घर ड-फल
5. क- चूहे ख- माताएं ग- चाबियाँ घ- लड़के ड-कुर्सियां
   च-लताएं
6. सरिता, पुस्तक, अम्बर , स्त्री, जगत, प्रातः, गिरी, भूमि
7. क- तितली, उन, सफेद, फूल। ख- आम पेड़, कई, एक।
   ग-मीत, यह, नीली, कुर्सी।
8. क- खाई ख-बैठा ग- सो घ- निकल
9. अपना, उसने, उसका

(अभ्यास प्रश्न पत्र-2)

1. क- निडर ख- पुस्तकालय ग- स्वदेशी घ- अमर ड- अजर
2. प्रश्न-उत्तर, हार-जीत, मौखिक-लिखित, अँधेरा-उजाला, नया-पुराण, विष- अमृत,
3. क- पेड़ पर से फल गिर गया। ख- फलवाले को कोई भेज दो।
   ग-देखो अमित! कोई खड़ा है। घ- मुझे पढ़ना है।
   ड- वह छत पर खेल रही है
4. x xxii xxxviii xi xLv L 5.Do it yourself. 6.Do it yourself.
7. क- खुशी मनाना - श्रीरामचद्र जी के अयोध्या लौटने पर नगरवासियों ने घी दीपक जलाये थे।
   ख- अनसुनी कर देना- माँ मोहन को रोज़ पढ़ने के लिए कहती है मगर उसके कान पर जूं तक नहीं रेंगती।
   ग- बहुत खुश होना - प्रथम स्थान आने पर रश्मि फूली नहीं समा रही।
   घ- भेद खुलना - रोहित के आते ही सोहन की कलाई खुल गयी।
   ड- चक्कर आना- डॉक्टर ने जैसे ही मैच को इंजेक्शन लगाया तुरंत उसकी आखों के आगे अँधेरा छा गया।
8. पायल- अरे सोनू १ तुम यह कैसे?
   सोनू- बस जरा बाजार तक आया था कुछ सामान लेने।
   पायल- बहुत दिनों से तुम दिखाई नहीं दिए, सब ठीक तो है ना?
   सोनू- हाँ-हाँ! सब ठीक है।
   पायल- बहुत अच्छा लगा तुम्हे खुश और स्वस्थ देखकर।
   सोनू- मुझे भी।
   पायल- चलो कभी घर आना आराम से बैठकर बातें करेंगे।
   सोनू- बिल्कुल! अपना ख्याल रखना।
   पायल- शुक्रिया! तुम भी।